(vii) Need to up-date the pass-books of saving Bank Accounts of G.P.O. Jaunpur, Uttar Pradesh

डा० ए० यू० आजमी (जौनपुर) : मि० स्पीकर सर, मैं बेहद शुक्रगुजार हूं कि आप ने रूल 377 के तहत एक बहुत ही अहम मसले को सरकार के सामने रखने की इजाजत दी।

मि० स्पीकर सर, मेरे क्षेत्र जौनपुर, उत्तर प्रदेश में भी हिन्दुस्तान की और जगहों की तरह तार व डाक डिपार्टमेंट ने जबरदस्त धांधली मचा रखी है, जिससे जौनपुर के हजारों आदमी बेहद परेशान हैं और वह यह है कि पोस्ट आफिस सेविंग बैंक की कमोवेश चार हजार पास बुक्स तकरीबन दो साल से डाकखाना, सदर में पड़ी हुई हैं। डाकखाना न इन पर सूद चढ़ाता है और न ही इन्हें वापस करता है। अगर कोई हिम्मत करके डाकखाना जाता है, तो जवाब पाता है कि बेहतर है कि दरख्वास्त दे कर दूसरी किताब बनवा लीजिए।

सुपरिन्टेंडेंट, पोस्ट आफिस को जब भी टेलीफोन किया, तो जवाब मिला कि दफ्तर में नहीं हैं और न ही वे घर के टेलीफोन पर मिलते हैं। एक दफा सुपरिन्टेंडेंट आफिस से किसी ने टेलीफोन पर जवाब दिया कि किसी एक में अगर दिलचस्पी है, तो बता दीजिए, उसको बनवा कर किताब दे दी जायेगी। मैं ने कहा कि मुझे किसी एक से नहीं बल्कि तमाम लोगों के काम से दिलचस्पी है। एक दफा इत्तिफाक से एक इंसपैक्टर साहब से मुलाकात हो गई। उनसे कहा तो उन्होंने फरमाया कि एक दो किताबें हों, तो कोई बात भी हो। यहां तो किताबें बोरों में भरी सालों से इकट्ठी हैं और स्टाफ नहीं, कैसे किया जावे, हम खुद परेशान हैं।

मि० स्पीकर सर, मैं आप के जरिये मुतालिका वजीर बातदबीर की तवज्जह जौनपुर, उत्तर प्रदेश के डाकखानों में इस जबरदस्त धांधली की तरफ दिलाते हुये अर्ज करूंगा कि जौनपुर के लोग सालों से अपनी जरूरत पूरी करने के लिये रुपये सेविंग बैंक से निकाल नहीं पा रहे हैं। इस तरह से वह लोग जहनी व जिस्मानी, दोनों तरह से सख्त परेशानी और तकलीफ में हैं। वजीर मौसूफ जल्द-अज-जल्द लोगों की इस परेशानी को दूर करने का अहतमाम फरमाएं, मैं आप और वजीर मौसूफ, दोनों का शुक्रगुजार हूंगा।

(viii) Need for enquiry in to the alleged collapse of a building of Ordnance Factory at Itarsi, Madhya Pradesh resulting in death of some labourers

श्री रामेश्वर नीखरा (होशंगाबाद) मेरे संसदीय क्षेत्र के इटारसी में स्थित आर्डनेंस फैक्टरी में 30 दिसम्बर को एक बिल्डिंग गिरने से करीब पंद्रह मजदूरों की मृत्यु हुई एवं इसी प्रकार वहीं पर इसके पूर्व एक पानी की टंकी जो कि नई बनाई गई थी उसमें प्रथम बार पानी भरने से ही वह टंकी गिर गई जिसमें अत्यधिक धन जन को हानि हुई। इस तरह की लगातार दो घटनाओं से आर्डनेंस फैक्टरी जो कि एक महत्वपूर्ण सुरक्षा संस्थान है, के सम्बन्ध में तरह-तरह की अफवाह फैल रही है। मैं यह भी बतलाना उचित समझता हूं कि दोनों भवन जो धराशायी हुये हैं उन्हें एक ही कंस्ट्रक्शन कंपनी बना रही थी। भारत शासन द्वारा अविलम्ब दोनों घटनाओं की जांच की मांग मैं करता हूं एवं अपेक्षा करता हूं कि सम्बन्धित अधिकारियों एवं कंस्ट्रक्शन कम्पनी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये।